

समुद्वेग पुं. (तत्.) भय, त्रास, घबराहट, क्षोभ।

समुद्वेलन पुं. (तत्.) 1. उमड़ कर बहने की क्रिया अथवा भाव 2. व्याकुलता, भावाकुलता।

समुन्नत वि. (तत्.) जिसकी उन्नति हुई हो, बहुत ऊँचा ऊपर उठाया हुआ पुं. वास्तुशास्त्र में एक प्रकार का स्तंभ।

समुन्नति स्त्री. (तत्.) उन्नति, समृद्धि, ऊपर उठाना, ऊँचाई, उच्चता।

समुन्नद्ध वि. (तत्.) ऊपर उठाया हुआ, ऊपर बैधा हुआ घमंडी, अभिमान, जो अपने आप को पंडित समझता हो।

समुन्नयन पुं. (तत्.) उन्नत करना ऊपर की ओर उठाने या ले जाने की क्रिया या भाव प्राप्ति, लाभ।

समुन्मूलन पुं. (तत्.) जड़ से उखाड़ देना, निर्मूल कर देना।

समुपकरण पुं. (तत्.) उपकरण, सामग्री।

समुपवेशन पुं. (तत्.) 1. निवास स्थान, आश्रय-स्थल, मकान 2. अच्छी तरह बैठने की क्रिया या भाव।

समुपस्थान पुं. (तत्.) निकट जाना, सामने आकर उपस्थित होना।

समुपस्थित वि. (तत्.) 1. उपस्थित, प्रकट, सामने आया हुआ 2. सामयिक।

समुपस्थिति पुं. (तत्.) सामने आकर उपस्थित होना, समीप जाना।

समुपार्जन पुं. (तत्.) विशेष रूप से प्राप्त करना, एक साथ प्राप्त होना।

समुपेत वि. (तत्.) 1. एकत्रीभूत, एकत्र किया हुआ 2. पास आया हुआ, पहुँचा हुआ 3. बसा हुआ, आबाद।

समुल्लास पुं. (तत्.) सम्यक् कांति, उल्लास, विशेष आनंद, प्रसन्नता, उमंग, क्रीड़ा, ग्रंथ का परिच्छेद अथवा अध्याय।

समुहा अव्य. (तद्.) सामने, सीधे वि. सामने का।

समुहाना अ.क्रि. (देश.) सामने आना, समाने होना।

समूचा वि. (तत्.) संपूर्ण, आदि से अंत तक जितना हो, पूरा, समग्र।

समूढ वि. (तत्.) 1. एकत्र किया हुआ, संगृहीत 2. कुटिल 3. विवाहित 4. भोगा हुआ, भुक्त 5. जो अभी उत्पन्न हुआ हो, सद्य 6. जात पकड़ा हुआ।

समूर पुं. (तद्.) समूल (फा.) शंबर या साँबर नामक हिरन।

समूल पुं. (तत्.) मूल अथवा जड़ सहित जिसका कोई मुख्य कारण या हेतु हो, सकारण।

समूह पुं. (तत्.) संग्रह, ढेर, समुदाय, बहुत से व्यक्तियों का जमघट।

समूहतः क्रि.वि. (तत्.) सामूहिक रूप से, सब मिलकर, इकट्ठे।

समूहन पुं. (तत्.) 1. एकत्रीकरण, राशि, ढेर समूह 2. बद्ध होना, वर्ग बद्ध होना 3. बुहारने अथवा झाड़ू लगाने की क्रिया 4. किसी तरल में मिले हुए कणों या कोशिकाओं के एकत्र होने से गाँठे सी बन जाना 5. संश्लेषण।

समूहना स.क्रि. (तद्.) 1. अनेक वस्तुओं को मिलाकर एक समूह का रूप देना 2. राशि, ढेर, एकत्रीकरण।

समूहनिन पुं. (तत्.) रुधिर कणों, बैक्टीरिया आदि का समूहन करने वाला प्रतिरक्षी पदार्थ।

समूहनी स्त्री. (तत्.) झाड़ू, सम्मार्जनी, बुहारी।

समूह-भावना स्त्री. (तत्.) व्यक्तियों में साहचर्य से उत्पन्न होने वाली अनुभूति।

समूह-मन पुं. (तत्.) सामूहिक मन, किसी विषय के प्रति समूह के सभी व्यक्तियों की समान अभिवृत्ति।